कचरा समाधान महोत्सव– 2018

विद्यालयों / कालेजों /एजूकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के लिए

प्राचीनकाल में कचरा निष्पादन तकनीक सफलतापूर्वक घरेलू उपयोगी वस्तुओं का पुनः उपयोग कर रही थीं , जिनको आज त्वरित विकास के कारण पीछे धकेल दिया गया है। परिणामस्वरूप टनों कचरे के ढेर बढ़ते जा रहे। सीवेज , रसायन, इलक्ट्रोनिक एवं प्लास्टिक कचरा हैं जीवन के लिए बाधक बनते जा रहे हैं। वेस्ट मैनेजमेंट की तेजी से बढ़ती इस समस्या के समाधान के लिए विद्यालय पथ–प्रदर्शक की भूमिका बखूबी निभा सकते हैं और समाज के समक्ष जागरूकता लाने के लिए सफल प्रयास कर सकते हैं। **गाजियाबाद विकास प्राधिकरण** के कंधों पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जिसमें वह विभिन्न स्तरों पर ऐसे कार्यक्रमों की श्रृंखला उपलब्ध करा रहा है जिसमें वेस्ट का प्रभावशाली निष्पादन करके उपयोगी उत्पादनों में बदलने की प्रक्रिया निभायी जायेगी। **गाजियाबाद विकास प्राधिकरण** आपके विद्यालय को **कचरा समाधान महोत्सव 2018** में शामिल होने के लिए आमन्त्रित कर रहा है, जहाँ आपके सहयोग से ही कार्यक्रम की सफलता निश्चित है। आपसे अनुरोध है कि संलग्न फॉर्म पूर्णतः भरकर भेज दें।

विद्यालयी/ कालेज /एजूकेशनल इंस्टीट्यूशन्स प्रतियोगिताएं–

1	**कोलॉज मेकिंग** प्रतियोगिता (कक्षा 6–8)
2	**पोस्टर मेकिंग** प्रतियोगिता (कक्षा 9–12)
3	**कैनवास पेटिंग** प्रतियोगिता (केवल कालेज के विद्यार्थियों हेतु)
4	**आन साइट फंक्शनल जीरो वेस्ट मॉडल**
5	वैस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता
6	**इनोवेशन**– इमेजन योर वर्ल्ड
7	आर्ट इंस्टॉलेशन
8	**नुक्कड़ नाटक**
9	**इको मैलोडी**
10	**कबाड़ से जुगाड़** –वर्किंग मॉडल निर्माण
11	**ग्रीन मैराथन**

कला प्रतियोगिताएं

कोलॉज मेकिंग प्रतियोगिता (कक्षा 6–8)	**पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता** (कक्षा 9–12)	**कैनवास पेटिंग प्रतियोगिता** (केवल कालेज के विद्यार्थियों हेतु)
पैरामीटर्स – **थीम –रिड्यूज–रियूज–रिसायकिल** को आगे बढ़ाना • रचनात्मकता • एस्थेटिक्स • कॉन्सेप्ट की मौलिकता • व्यक्तिगत/ सामूहिक कार्य • प्रयास व संरक्षण	**पैरामीटर्स –** **थीम – स्वच्छ भारत** • रचनात्मकता • एस्थेटिक्स • कॉन्सेप्ट की मौलिकता • व्यक्तिगत/ सामूहिक कार्य • प्रयास व संरक्षण • विवरण	**पैरामीटर्स –** **थीम – मेरे सपनों का भारत** • रचनात्मकता • एस्थेटिक्स • कॉन्सेप्ट की मौलिकता • व्यक्तिगत/ सामूहिक कार्य • प्रयास व संरक्षण

• विवरण		• विवरण

<u>निर्देश–</u>

- **ड्राइंग/पेंटिग/ कोलॉज** के कार्य के लिए कैनवास, आर्ट शीट, पेन्सिल, क्रेयान, वाटर कलर, ऑयल पेन्ट, वाटर कलर, कम्प्यूटर आदि आवश्यक सामग्री विद्यालय/कालेजों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर स्वयं लायी जायेंगी।
- **ड्राइंग/पेंटिग में शब्द, राष्ट्रीय ध्वज या नारे नहीं लिखे जायेगें।**
- **ड्राइंग/पेंटिग में किसी भी व्यक्तिगत, संस्थान या ब्रांड का नाम या धर्म से सम्बन्धित थीम प्रयोग नहीं की जायेगी।**
- प्रतिभागियों का नाम, आयु, संस्थान का नाम ड्राइंग/पेंटिग के पीछे हिन्दी /अंग्रेजी भाषा में स्वच्छतापूर्वक लिखा जाना चाहिए।

4 आन साइट फंक्शनल जीरो वेस्ट मॉडल–

जीरो वेस्ट का दर्शन है कि जीवन चक्र के संसाधन को इस प्रकार रिडिजायन करना ताकि सभी उत्पादन पुनः प्रयोग किए जा सके। वेस्ट मैनेजमेंट की आज अति आवश्यकता है जिसके लिए हम प्रतिभागियों को **जीरो वेस्ट मॉडल** बनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। **जीरो वेस्ट मॉडल** अपने नए लक्ष्य को निर्धारित कर सकें तथा समाज को स्वास्थ्य, स्थिरता, न्याय को बढ़ावा देते हुए स्थानीय अर्थ व्यवस्था में बढ़ावा दे सके।

5. वैस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता–

वर्तमान समय में विश्व में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु को पुनः उपयोग में लाया जा सकता है – यह विचार अपने मन में रखते हुए हमें अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने व हरित भविष्य की रक्षा के लिए अपनी आदतों में भी परिवर्तन लाना होगा। किसी भी वस्तु को बेकार मानकर फेंकने से पहले हम में से हर एक को यह विचार करना होगा कि क्या यह वस्तु फिर से काम में लायी जा सकती है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बेकार वस्तुओं से उपयोगी व आकर्षक वस्तुओं का निर्माण करना है। निम्नलिखित में से किसी भी एक वस्तु का निर्माण किया जा सकता है–

क– पुराने कपड़ों का प्रयोग– बैग, दरी, सजावटी वस्तुएं
ख– प्लास्टिक बोतलें– चिड़ियों के घोंसलें
ग– टॉयलेट पेपर रोल्स का प्रयोग
घ– बाइक के ट्यूब– रबर बैंड, आभूषण, डोर स्टॉपर्स
ङ– खाली टेट्रा पैक– पैन होल्डर्स, पिगी बैंक
च– प्लास्टिक वेस्ट

पैरामीटर्स– प्रोजेक्ट के लिए उचित मैटीरियल का चुनाव
– रंग संयोजन
– बनावट और आकार
– नवीनता
– विवरण
– पर्यावरण साध्यता (environmental feasibility)
– कार्य की गुणवत्ता
– सम्पूर्ण प्रस्तुतीकरण में स्वच्छता

6- **इनोवेशन**– इमेजन योर वर्ल्ड– शहर को स्वच्छ बनाने में आन सोर्स वेस्ट सेग्रीगेशन का इनोवेटिव आइडिया।

पैरामीटर्स– रिसाइकिल वस्तुओं का अधिकतम उपयोग
– नवीन विचार
– व्यक्तिगत/ समूह में कार्य
– प्रयास व संरक्षण
– विवरण
– पर्यावरण साध्यता (environmental feasibility)
– स्कैबिलिटी

– रिप्लैसिबिलिटी

7. आर्ट इंस्टॉलेशन–

आर्ट इंस्टॉलेशन का उद्देश्य समाज में वेस्ट सामान का पुनः उपयोग करने के प्रति जागरूकता फैलाना है। कलाकार नवीन विधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दे सकते हैं। कचरा को कम करना, पुनः प्रयोग और पुनः उत्पादन के माध्यम से भविष्य के लिए बेहतर प्रयास किए जा सकते हैं। इस नयी विधा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ–साथ कचरा का बेहतर उपयोग भी किया जा सकता है। साथ ही, यह हमारे विचारों और दृष्टिकोण को भी सही ढंग से प्रस्तुत कर सकता है।

क –इंस्टॉलेशन साइज–6× 6

ख –**पैरामीटर्स–** रिसाइकिल वस्तुओं का अधिकतम उपयोग

– नवीन विचार
– व्यक्तिगत/ समूह में कार्य
– प्रयास व संरक्षण
– विवरण
– पर्यावरण साध्यता (environmental feasibility)
– स्कैबिलिटी
– रिप्लैसिबिलिटी

.* प्रोडक्ट पोर्टेबल होना आवश्यक है ताकि कार्यक्रम स्थल तक सरलता से लाया जा सके। कार्यक्रम स्थल पर असेम्बल भी किया जा सकता है।

8 नुक्कड़ नाटक–

जनता को प्रत्यक्ष रूप से शामिल करके उत्साहपूर्वक एकीकरण करना नुक्कड़ नाटक का लक्ष्य है। नुक्कड़ नाटक का संदेश जनता के मस्तिष्क को प्रभावित करके त्वरित ढंग से कार्य करने को प्रस्तुत करता है। इस प्रतियोगिता में नुक्कड़ नाटक का विषय कचरा संयोजन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने से सम्बन्धित होना आवश्यक है।

क– प्रतिभागियों की संख्या– प्रत्येक स्कूल से न्यूनतम एक विद्यार्थी

ख – समय सीमा– 4–5 मिनट

ग– पैरामीटर्स – समूह में कार्य

– जिम्मेदारी का निर्वहन
– मौलिकता
– प्रॉप्स का प्रयोग
– निर्धारित स्थान व समय का उपयोग
– विषय का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण

9 **इको मैलोडी–** प्रत्येक विद्यालय से एक बैंड–

रिसाइक्लिड वस्तुओं से बनाया गया ऑरकेस्ट्रा गर्व का विषय है। प्रत्येक विद्यालय वेस्ट वस्तुओं से अपने संगीत वाद्यों(ढोल, वायलिन आदि) का निर्माण कर के संगीत भी स्वयं निर्धारित करेंगे।

क– प्रतिभागियों की संख्या– प्रत्येक स्कूल से 10–15 (अधिकतम 2 शिक्षक भी ग्रुप में शामिल हो सकते है।)

ख– समय सीमा– 4–5 मिनट

ग– पैरामीटर्स– समूह में कार्य

– मौलिकता व रचनात्मकता
– बॉडी लैंग्वेज व एनर्जी
– वाद्य यंत्र के निर्माण में मौलिकता व रचनात्मकता
– प्रॉप्स का प्रयोग
– प्रभावशाली संगीतमय प्रस्तुति– टोन, पिच, रिदम

10- **कबाड़ से जुगाड़** –वर्किंग मॉडल निर्माण(खिलौने, रोबोट, गैजेट या कोई अन्य उपयोगी उत्पादन)

पैरामीटर्स– इनोवेशन

- मौलिकता व रचनात्मकता
- प्रस्तुति
- उत्पादन का उपयोग
- स्कैबिलिटी

प्रतिभागी वेस्ट प्रोडक्ट से वर्किंग मॉडल बनाएंगे।

शोकेस स्कूल– कचरा प्रबन्धन की श्रेष्ठतम प्रवृत्ति व प्रतियोगिताओं के आधार पर एक विद्यालय को शोकेस स्कूल की उपाधि से सम्मानित किया जायेगा।